वीवी गिरि : कामगारों के लिए मंत्री पद छोड़ने वाला जो बतौर राष्ट्रपति रबर स्टैंप बन गया

अनुराग भारद्वाज

देश के चौथे राष्ट्रपति वीवी गिरि को तत्कालीन विपक्ष प्रधानमंत्री का राष्ट्रपति कहने लगा था

रामनाथ कोविंद सत्ता पक्ष की तरफ से राष्ट्रपति पद के लिए नामांकित किये गए हैं। वे शायद राष्ट्रपति पद के ऐसे पहले प्रत्याशी होंगे जिन्हें अपने नाम की घोषणा होने से 24 घंटे पहले तक इसकी खबर नहीं थी। बहुत से लोग कयास लगा रहे हैं कि रामनाथ कोविंद प्रधानमंत्री के 'यस मैन' साबित होने वाले हैं। इन लोगों का मानना है कि वे भी उसी परंपरा को निभायेंगे जो उनसे पहले जैल सिंह, प्रतिभा पाटिल आदि ने निभायी है।

वैसे 'यस मैन' वाली यह परंपरा कहा जाता है कि देश के चौथे राष्ट्रपति वराहगिरि वेंकट गिरि ने शुरू की। उन्हें वीवी गिरि के नाम से भी जाना जाता है। एक तेलगू ब्राह्मण परिवार में जन्मे वेंकट ने कॉलेज की पढ़ाई डबलिन, आयरलैंड से की थी जिससे यह तो शायद साबित हो जाता है कि वे होशियार थे। आयरिश इतिहासकार कॉनर मुल्वा ने अपनी किताब 'आयरिश डेज, इंडियन मेमोरीज: वीवी गिरि एंड अदर स्टूडेंट्स' में लिखा है, 'लंदन में गिरि गांधी से अक्सर मिला करते थे। गांधी ने उन्हें बोअर की लड़ाई में अंग्रेजों की तरफ से रेडक्रॉस सोसाइटी के साथ जुड़ने की अपील की। गिरि गांधी के प्रभाव में आ गए और हामी भर दी।'

कॉनर आगे लिखते हैं, 'अगले ही दिन गिरि ने चिट्ठी लिखकर गांधी को बताया कि वे रेडक्रॉस के साथ काम करना नहीं चाहते।' गिरी मानते थे कि अंग्रेजों पर आया हर संकट भारत के लिए अवसर है इसलिए इस दौरान किसी भारतीय को उनकी मदद नहीं करनी चाहिए। उन्होंने अपनी चिट्ठी में यह भी लिखा कि गांधी अगर चाहें तो उनका यह रुख सार्वजनिक कर सकते हैं। गांधी ने गिरि की मनोस्थिति को समझ लिया। कॉनर आगे लिखते हैं, 'यह गांधी की महानता ही थी जिसके चलते गिरि ऐसा कर पाए। अन्यथा गांधी अगर वह चिट्ठी अंग्रेजों के हवाले कर देते तो गिरि की वकालत अधूरी रह जाती।'

डबलिन में पढाई के दौरान वीवी गिरि एक आंदोलन से जुड़ गए जिसकी वजह से उन्हें आयरलैंड से देश निकाला दे दिया गया। हिंदुस्तान आकर उन्होंने मद्रास उच्च न्यायालय में वकालत शुरू कर दी और साथ-साथ कांग्रेस से भी जुड़ गये। 1920 में उन्होंने गांधी के असहयोग आंदोलन में हिस्सा लिया और जेल

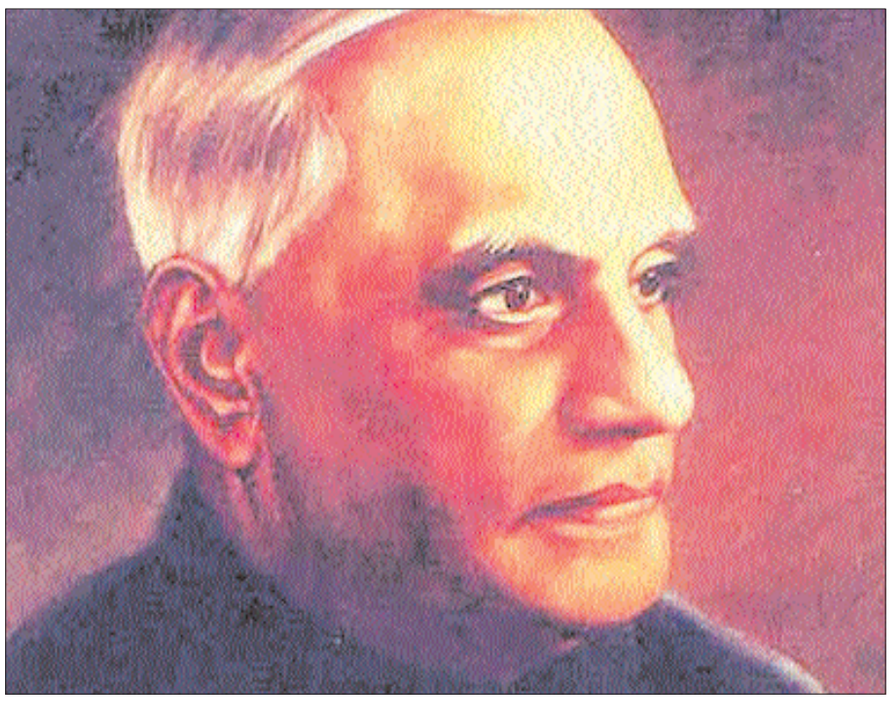

भी गए।

1923 में वीवी गिरि मज़दूर संघठनों से जुड़े। तेज़तर्रार यह शख्स आल इंडिया रेल कर्मचारी फेडरेशन का महासचिव नियुक्त हुआ। बाद में वे इसके अध्यक्ष भी चुने गए। 1928 में उन्होंने बंगाल-नागपुर रेलवे संगठन की स्थापना की। यह उन पर गांधी का प्रभाव ही था कि गिरि के नेतृत्व में रेल कर्मचारियों ने पहली अहिंसक हड़ताल की। यह हड़ताल इतनी व्यापक थी कि सरकार और रेल प्रबंधन उनकी मांगें मानने को राज़ी हो गया था जिसके तहत निकाले गए मजदूरों को दोबारा भर्ती किया गया। बाद में उन्होंने 'इंडियन ट्रेड यूनियन फेडरेशन' की स्थापना की। जिनेवा में 1927 में हुई अंतरराष्ट्रीय मजदूर कांफ्रेंस में वे मजदूरों की तरफ से उनके नुमाइंदे की हैसियत से शरीक हुए थे।

उन दिनों दक्षिण भारत की राजनीति में राजगोपालाचारी का बड़ा बोलबाला था। राजाजी को वीवी गिरि भा गए और यहीं से उनका राजनैतिक जीवन तेजी से आगे बढ़ा। 1936 में जब मद्रास में राजाजी के नेतृत्व में कांग्रेस की अंतरिम सरकार बनी तो वीवी गिरि उसमें श्रम मंत्री बनाए गए। दुसरे विश्वयुद्ध और भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दिया और जेल भी गये।

1952 में पहला आम चुनाव हुआ। वीवी गिरी कांग्रेस पार्टी की सरकार में वो पहले श्रम मंत्री बनाये गए। मजदूर आंदोलनों से कुशलतापूर्वक निपटने के उनके फॉर्मूले को 'गिरि फार्मूला' कहा जाता था। दरअसल, वीवी गिरि की समाजवादी राजनैतिक विचारधारा ने उन्हें हमेशा मजदूर आंदोलनों के बीच ही रखा। एक बार जब कांग्रेस की सरकार ने बैंक कर्मचारियों की वेतन बढ़ाने की मांग को ठुकरा दिया तो उन्होंने श्रम मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया।

1957 के दूसरे आम चुनावों में वीवी गिरि आंध्र प्रदेश में पार्वतीपुरम की अपनी सीट खो बैठे थे। यह बड़ा ही दिलचस्प किस्सा है। उन दिनों आरक्षित सीट का प्रावधान नहीं था। कुछ सीटों पर जातीय समीकरण बराबर रखने के लिए संविधान ने एक ही पार्टी से सामान्य वर्ग के अलावा अनुसूचित जाति और जनजाति के प्रत्याशी को भी उसी सीट से चुनाव लड़ने की इजाजत दे रखी थी। लिहाजा, हर पार्टी अपने दो प्रत्याशी चुनाव में उतारती थी- एक सामान्य वर्ग वाला और दूसरा एससी/एसटी वाला। गिरि चूंकि ब्राह्मण थे इसलिए उन्होंने सामान्य कोटे पर चुनाव लड़ा और हार गए। बस यहीं से उनके सक्रिय राजनैतिक जीवन का पटाक्षेप हो गया।

दूसरी राजनैतिक पारी में कांग्रेस सरकार ने वीवी गिरि को उत्तर प्रदेश, केरल और कर्नाटक का राज्यपाल बनाया। उनकी यह पारी कांग्रेस पार्टी को रास आने लगी थी। बताया जाता है कि कांग्रेस ने उनकी सत्ता का सुख भोगने की लालसा को भांप लिया था जिसके चलते उन्हें भारत का उपराष्ट्रपति बना दिया गया।

1969 में देश के तत्कालीन राष्ट्रपति डॉक्टर जाकिर हुसैन का निधन हो जाने से वीवी गिरि को कार्यवाहक राष्ट्रपति नियुक्त किया गया। जब राष्ट्रपति पद का चुनाव हुआ तो कांग्रेस पार्टी के दिग्गजों ने इंदिरा गांधी की इच्छा को दरकिनार कर नीलम संजीव रेड्डी को अपना प्रत्याशी घोषित किया। उधर, विपक्ष ने भारतीय रिजर्व बैंक के पहले भारतीय गवर्नर सीडी देशमुख को अपना उम्मीदवार बनाया। हालात को भांपते हुए वीवी गिरि ने तुरंत ही अपने पद से इस्तीफा दिया और निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव में कूद पड़े। जाते-जाते उन्होंने इंदिरा गांधी की मर्ज़ी के मुताबिक बैंकों और बीमा कंपनियों के राष्ट्रीयकरण को मंजूरी दे दी। इंदिरा गांधी ने भी मौका देखते हुए अपनी पार्टी के लोगों से 'आत्मा की आवाज' सुनने की अपील की और दिग्गजों के प्रत्याशी संजीव रेड्डी के बजाय वीवी गिरि को वोट देने की अपील की। जाहिर था कि गिरि के सिर पर इंदिरा गांधी का हाथ था जो 'कांग्रेस सिंडिकेट' के दिग्गजों को धूल चटानी चाहती थीं।

एक बड़ा वर्ग मानता है कि उस वक़्त तीनों उम्मीदवारों में अगर कोई राष्ट्रपति बनने के काबिल था तो वे थे सीडी देशमुख जिनकी अपनी विद्वता और निर्भीकता के लिए खूब ख्याति थी।

देशमुख ही वह व्यक्ति थे जिन्होंने भारतीय रिजर्व बैंक के राष्ट्रीयकरण का विरोध किया था। वे नहीं चाहते थे कि रिजर्व बैंक सरकार के हाथों की कठपुतली बन जाये पर उनकी चली नहीं थी। खैर, यह किस्सा फिर कभी। जैसी संभावना थी वैसा ही हुआ। सत्ता पक्ष में पड़ी फूट के चलते वराहगिरि वेंकट गिरि देश के चौथे राष्ट्रपति बन गए।

इतिहास में 26 जून

आजकल इस्तेमाल होने वाला टूथब्रश चीन की देन है। छब्बीस जून, 1498 को ही पहली बार आधुनिक टूथब्रश के पहले मॉडल का चीन के एक राजा ने पेटेंट करवाया था। अमेरिकी डेंटल एसोसिएशन के अनुसार 1448 में ही पहली बार एक चीनी शासक ने सूअर के बालों और हड्डियों से एक ब्रश तैयार करवाया। चीन के मिंग वंश के राजा होंगझी ने ऐसा पहला मॉडल पेटेंट करवाया। यहीं से दांत साफ करने के लिए आधुनिक टूथब्रश की नींव पड़ी। बाद में यह डिजाइन यूरोप की ओर बढ़नी लगी। यूरोप में बड़ी मात्रा में ब्रश बनाने के लिए विलियम ऐडिस ने साइबेरिया और उत्तरी चीन से सूअर के बालों का आयात करने की शुरुआत की।

17वीं शताब्दी तक कई पश्चिमी देशों में भी दांतो को साफ करने के लिए टूथब्रश का चलन आम नहीं था। 19वीं सदी में जाकर जानवरों के बालों से बने ब्रश की जगह पर कृत्रिम रेशों का इस्तेमाल शुरू हुआ। 1938 में डुपॉन्ट नाम की अमेरिकी कंपनी ने ब्रश के लिए नायलॉन का इस्तेमाल किया। इस पहले नायलॉन ब्रश का नाम था डॉक्टर वेस्ट्स मिरैकल।

ब्रश के पहले भी दांत साफ करने के लिए दुनिया के कई हिस्सों में चबाने वाली लकड़ियों की टहनियों का इस्तेमाल होता था। भारतीय आयुर्वेदिक चिकित्सा में नीम और बरगद और मुसलमानों में अरक के पेड़ की टहनी को दांत साफ करने के लिए उपयोगी माना जाता था। इन सभी लकड़ियों में एंटीसेप्टिक गुण होते हैं। आज इस मामले में तकनीक इतनी आगे बढ़ चुकी है कि ब्रश स्मार्टफोन से जोड़े जा रहे हैं। अब तो डॉक्टर भी कहते हैं कि बैटरी से चलने वाले ब्रश दांतों को बेहतर रूप से साफ कर पाते हैं। और तो और अब ब्लू टूथ से चलने वाले ब्रश भी आ गए हैं जिसमें स्मार्टफोन ऐप के जरिये यह दिखता है कि दांत सही तरह से साफ किया जा रहा है या नहीं।

भारतीय एवं विश्व इतिहास में 26 जून की प्रमुख घटनाएं इस प्रकार हैं।

1714- स्पेन और नीदरलैंड ने व्यापार एवं शांति समझौते पर हस्ताक्षर किये।

1894- जर्मनी के कार्ल बेन्ज ने गैस से चलने वाले ऑटो का अमेरिकी पेटेंट हासिल किया।

1909- लंदन में विक्टोरिया और अल्बर्ट संग्रहालय खोले गए।

1919- अमेरिका में न्यूयॉर्क डेली न्यूज का प्रकाशन शुरू हुआ।

1941- द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान फिनलैंड ने रूस के खिलाफ मोर्चा खोला।

1945- सेन फ्रांसिस्को में 50 देशों ने संयुक्त राष्ट्र के चार्टर पर हस्ताक्षर किये।

1949- बेल्जियम के संसदीय चुनाव में पहली बार महिलाओं को मतदान का अधिकार मिला।

1952- नेल्सन मंडेला और 51 अन्य लोगों ने दक्षिण अफ्रीका में कर्फ्यू का उल्लंघन किया।

1963 में 26 जून के दिन अमेरीकी राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी ने पश्चिम जर्मनी के शहर बर्लिन एक बहुत बड़ी भीड़ को संबोधित किया था। उन्होंने बर्लिन को शीत युद्ध के दौरान विश्व में स्वतंत्रता का प्रतीक बताया था।

1975- भारत की प्रथम महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल की घोषणा की।

1982- एयर इंडिया का पहला बोइंग गौरीशंकर मुंबई में दुर्घटनाग्रस्त हुआ।

1994- पीएलओ नेता यासिर अराफात 27 साल बाद गाजा लौटे।

2013- उत्तराखंड में एक बचाव हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने से 20 लोग मारे गए।

2015- कुवैत की शिया इमाम अल सादिक मस्जिद में एक आत्मघाती हमले में 27 लोगों की मौत हो गयी तथा 227 लोग घायल हो गए।

सुडोकू - 4089 (Challenging)

		5			8			7
	4			3				
		6			4	9		
2						5	4	
	5						1	
	6	3						9
		7	6			3		
				7			9	
4			2			8		

इस पहेली की खाली जगहों में एक से नौ के बीच के अंक भरे जाने हैं। किसी भी आड़ी या खड़ी पंक्ति में किसी अंक का दोबारा इस्तेमाल नहीं करना है 3-3 के प्रत्येक ब्लाक दिए गए हैं। किसी ब्लाक में किसी अंक का दोबारा इस्तेमाल नहीं करना है।

हल करने का समय, शुरु..... खत्म.....

इसका उत्तर ढूंढें आज ही के अंक में किसी पृष्ठ पर

अंक जाल - 2999

	15	19	24	33		8	22	20	
23		5		8		5		9	18
22	2		5				4		9
32		7		3				7	12
			2		7		9		33
32		8		6		3			
7	2				4		8		30
19		8				8		3	24
18	5		7		3		7		14
	15	27	13		34	28	22	13	

खाली जगहों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर बाएं से दाएं व ऊपर से नीचे जोड़ें, उत्तर मटमैले रंग में दिया गया है। चारों कोनों में दी गई संख्या की जोड़ दोनों ओर से एक समान होनी चाहिए।

हल करने का समय, शुरु..... खत्म.....

इसका उत्तर ढूंढें आज ही के अंक में किसी पृष्ठ पर

Name, Fame and Game-4009

आज हम दे रहे है बच्चों के कुछ टीवी सीरियलों के नाम जो अंग्रेजी अक्षरों की इस भीड़ में आपको ढूंढना है। नाम के हिज्जे अंग्रेजी में हैं और ये दाएं से बाएं, बाएं से दाएं, ऊपर से नीचे, नीचे से ऊपर या तिरछे- किसी भी दिशा में हो सकते हैं। उत्तर आज ही के अंक में किसी पृष्ठ पर। इन नामों की फेहरिस्त लंबा होने से हम इन्हें किस्तों में ले रहे हैं।

ALADDIN
ARSLAAN
BAALVEER
CHHOTABHEEM
CHIANDME
GALLIGALLISIMSIM
GOLUKEGOGGLES
HATIM
HOWZZATTT
INDRADHANUSH
JANBAAZSINDBAD
KARTIKA
LITTLEKRISHNA
MIGHTYRAJU
SANYA
SHAKALAKABOOMBOOM
SHAKTIMAAN
SHARARAT
SONPARI
TENALIRAMAN
THESTONEBOY

N / W / E / S

T	C	A	I	A	F	R	T	S	S	Y	N	G	J	F	H	H	R
D	H	Q	R	Q	N	A	E	H	F	A	C	A	D	E	S	M	Y
A	C	E	I	S	R	H	A	E	M	D	N	L	I	M	U	I	Y
T	Y	D	S	A	L	K	S	A	V	B	Q	L	O	D	N	G	V
S	M	N	R	T	T	A	R	I	A	L	A	I	G	N	A	H	J
I	H	A	A	I	O	I	A	A	R	K	A	G	M	A	H	T	U
V	H	A	M	S	L	N	Z	N	R	K	Q	A	V	I	D	Y	P
S	I	A	K	A	D	S	E	A	H	O	E	L	B	H	A	R	R
Z	A	U	N	A	I	C	Z	B	M	H	W	L	L	C	R	A	D
N	P	E	L	N	L	H	Y	D	O	B	Z	I	T	O	D	J	R
S	T	P	D	I	P	A	M	X	Y	Y	K	S	G	T	N	U	F
F	H	B	R	V	Z	H	K	C	R	M	G	I	D	X	I	U	M
H	A	L	A	D	D	I	N	A	G	Q	J	M	S	G	K	L	H
D	L	Q	K	X	X	M	J	P	B	I	C	S	M	I	T	A	H
T	T	T	A	Z	Z	W	O	H	G	O	C	I	T	J	E	M	E
I	U	M	Z	A	T	S	K	Q	K	O	O	M	R	R	Y	B	K
Y	S	P	D	U	B	S	D	B	V	Z	Q	M	A	O	X	O	A
S	E	L	G	G	O	G	E	K	U	L	O	G	B	I	Q	C	R
Z	I	C	L	N	A	D	C	N	U	C	U	Z	F	O	X	L	T
Z	K	T	P	W	G	S	A	Y	X	O	X	C	F	R	O	T	I
D	O	A	G	C	H	H	O	T	A	B	H	E	E	M	I	M	K
V	R	S	S	Q	D	I	L	V	T	F	T	G	Q	K	C	Y	A
I	S	L	F	F	P	B	P	Q	C	M	V	R	C	Q	L	V	U
I	I	O	O	Y	O	R	A	M	Q	U	B	P	U	D	Q	D	S

मिनी सुडोकू - 2950

					1
	1	4		5	
2		5			
					2
	6		1	3	

इस पहेली की खाली जगहों में एक से 6 के बीच के अंक भरे जाने हैं। किसी भी आड़ी या खड़ी पंक्ति में किसी अंक का दोबारा इस्तेमाल नहीं करना है किसी ब्लाक में किसी अंक का दोबारा इस्तेमाल नहीं करना है।

हल करने का समय, शुरु..... खत्म.....

इसका उत्तर ढूंढें आज ही के अंक में किसी पृष्ठ पर

गणित का चौराहा -3009

	×		-		5
-	■	×	■	×	
	-		×		-71
-	■	-	■	+	
	-		+		4
-4		29		30	

हल करने का समय, शुरु..... खत्म.....

खाली जगहों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर समीकरण को पूरा करें। किसी भी अंक का दोबारा इस्तेमाल नहीं करना है। प्रत्येक आड़ी या खड़ी पंक्ति एक गणित समीकरण है। याद रहे कि गुणा और भाग पहले करना है, जोड़ व घटाना बाद में।

इसका उत्तर ढूंढें आज ही के अंक में किसी पृष्ठ पर

छत्तीसगढ़ शब्द पहेली क्रमांक-4089

1	2	3	■	4	5	■	6		7
8			■	9		10		■	
	■	11	12	■	■		■	■	
■	13			■	14	■	15		
16		■	17					■	
	■	18		■		■	19	20	
21			■	22			■	23	
■	■		■	■		■	24		
25			■	■		■		■	■
■	■	■	■	■	■	■	26		

(उत्तर आज के ही अंक में किसी पृष्ठ पर)

बाएं से दाएं :-

1. दालान, छप्पर
4. नीच, निकृष्ट
6. दिए हुए वचन से मुकरना
8. शपथ, सौगंध
9. पानी में डूबा हुआ
11. किसी व्यक्ति, वस्तु अथवा स्थान को संबोधित करने का शब्द
13. शिष्टाचार, शिष्टता
15. अत्यंत, असीम
16. किवाड़ पर्दा
17. कसाई खाना, वह स्थान जहां मवेशियों का वध किया जाता है
18. दफा, मर्तबा
19. सुगंध, खुशबू
21. मंजूर, माना हुआ
22. चेतावनी
23. धन संपदा
24. लापता होना, खो जाना
25. भयभीत, डरा हुआ
26. भू, धरा, पृथ्वी।

ऊपर से नीचे:-

1. नमन करना
2. पति अथवा पत्नी की मां
3. वह चादर अथवा वस्त्र जिसमें राम नाम लिखा हो
4. तेज, कांति
5. पेड़ों की त्वचा
6. नंगा, दिगंबर
7. अत्यधिक परेशान करना
10. स्वाद, आनंद
12. लाचार, विवश
13. कूल किनारा
14. चमक-दमक
15. गुमनाम, जिसका कोई नाम न हो
16. प्रभावशाली
18. लगातार, सतत
20. खाया हुआ, उदरस्थ
24. जवानी में जिसके अंग भरे हुए हों।